BEST SELLER

For 2024 EXAM

OSWAAL BOOKS®

LEARNING MADE SIMPLE

CBSE QUESTION BANK

Chapterwise & Topicwise

SOLVED PAPERS

CLASS 10

हिंदी 'अ'

(क्षितिज भाग-2, कृतिका भाग-2)

Get the #OswaalEdge

1. **100% Updated for 2023-24**
   with Latest Syllabus & Fully Solved Board Papers
2. **Crisp Revision**
   with Topic wise Revision Notes & Smart Mind Maps
3. **Extensive Practice**
   with 3000+ Questions & Board Marking Scheme Answers
4. **Concept Clarity**
   with 1000+ Concepts & 50+ Concept Videos
5. **NEP 2020 Compliance**
   with Art integration & Competency-based Questions

19th EDITION

YEAR 2023-24

ISBN "9789356348882"

SYLLABUS COVERED

CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
DELHI

COPYRIGHT RESERVED
BY THE PUBLISHERS

All rights reserved. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means, without written permission from the publishers. The author and publisher will gladly receive information enabling them to rectify any error or omission in subsequent editions.

PUBLISHED BY

OSWAAL BOOKS & LEARNING PVT. LTD.

1/11, Sahitya Kunj, M.G. Road,
Agra - 282002, (UP) India

1/1, Cambourne Business Centre
Cambridge, Cambridgeshire
CB 236DP, United kingdom

0562-2857671

contact@oswaalbooks.com

www.OswaalBooks.com

DISCLAIMER

This book is published by Oswaal Books and Learning Pvt Ltd ("Publisher") and is intended solely for educational use, to enable students to practice for examinations/tests and reference. The contents of this book primarily comprise a collection of questions that have been sourced from previous examination papers. Any practice questions and/or notes included by the Publisher are formulated by placing reliance on previous question papers and are in keeping with the format/pattern/guidelines applicable to such papers.

The Publisher expressly disclaims any liability for the use of, or references to, any terms or terminology in the book, which may not be considered appropriate or may be considered offensive, in light of societal changes. Further, the contents of this book, including references to any persons, corporations, brands, political parties, incidents, historical events and/or terminology within the book, if any, are not intended to be offensive, and/or to hurt, insult or defame any person (whether living or dead), entity, gender, caste, religion, race, etc. and any interpretation to this effect is unintended and purely incidental. While we try to keep our publications as updated and accurate as possible, human error may creep in. We expressly disclaim liability for errors and/or omissions in the content, if any, and further disclaim any liability for any loss or damages in connection with the use of the book and reference to its contents".

Google Play Edition

विषय-सूची

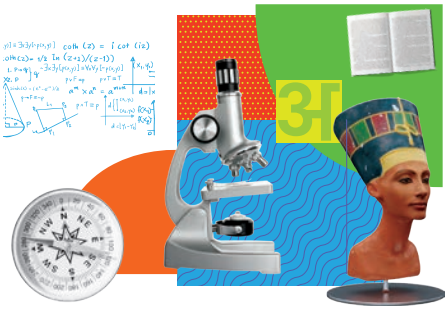

- Latest CBSE Syllabus 6 - 10
- Sample Question Paper-2022-23 Fully Solved (Issued by Board dated 16th Sep. 2022) 15 - 34
- Solved Paper-2022 Term-II (Delhi & Outside Delhi Sets) 35 - 52
  (To download Solved paper for Term-I 2021-22 & Latest Topper's Answers 2020, scan the QR Code given on Page 52)
- परिशिष्ट : बोर्ड द्वारा नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्न सत्र-2023-24 हेतु 53 - 55

खंड 'अ' : बहुविकल्पी प्रश्न

1. (अ) अपठित गद्यांश 1 - 17
1. (ब) अपठित काव्यांश 18 - 30
   - स्वत: मूल्यांकन प्रश्न-पत्र-1 31 - 36

व्याकरण बोध

1. रचना के आधार पर वाक्य भेद 37 - 52
2. वाच्य 53 - 63
3. पद-परिचय 64 - 78
4. अलंकार 79 - 83
   - स्वत: मूल्यांकन प्रश्न-पत्र-2 84 - 87

पाठ्य-पुस्तक 'क्षितिज' भाग-2 (अ) गद्य खंड

1. नेताजी का चश्मा 88 - 98
   - *स्वयं प्रकाश*
2. बाल गोबिन भगत 99 - 108
   - *रामवृक्ष बेनीपुरी*
3. लखनवी अंदाज़ 109 - 116
   - *यशपाल*
4. एक कहानी यह भी 117 - 128
   - *मन्नू भंडारी*
5. नौबतखाने में इबादत 129 - 138
   - *यतीन्द्र मिश्र*
6. संस्कृति 139 - 148
   - *भदन्त आनन्द कौसल्यायन*

पाठ्य-पुस्तक 'क्षितिज' भाग- 2 (ब) काव्य खंड

1. पद 149 - 156
   - *सूरदास*
2. राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद 157 - 167
   - *तुलसीदास*
3. आत्मकथ्य 168 - 172
   - *जयशंकर प्रसाद*
4. उत्साह, अट नहीं रही है 173 - 179
   - *सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'*
5. यह दंतुरित मुसकान, फसल 180 - 187
   - नागार्जुन
6. संगतकार 188 - 194
   - मंगलेश डबराल

पूरक पाठ्य-पुस्तक कृतिका (भाग- 2)

1. माता का अंचल 195 - 202
   - *शिवपूजन सहाय*
2. साना-साना हाथ जोड़ि... 203 - 210
   - *मधु कांकरिया*
3. मैं क्यों लिखता हूँ? 211 - 214
   - *अज्ञेय*
   - स्वत: मूल्यांकन प्रश्न-पत्र-3 215 - 216

लेखन खण्ड

1. अनुच्छेद-लेखन 217 - 224
2. पत्र-लेखन 225 - 237
3. स्ववृत्त लेखन 238 - 240
4. ई-मेल लेखन 241 - 243
5. विज्ञापन-लेखन 244 - 251
6. संदेश लेखन 252 - 255
   - स्वत: मूल्यांकन प्रश्न-पत्र-4 256 - 256
   - प्रैक्टिस पेपर-1 257 - 260
   - प्रैक्टिस पेपर-2 261 - 264

❑❑

How to use this Book

Chapter Navigation Tools

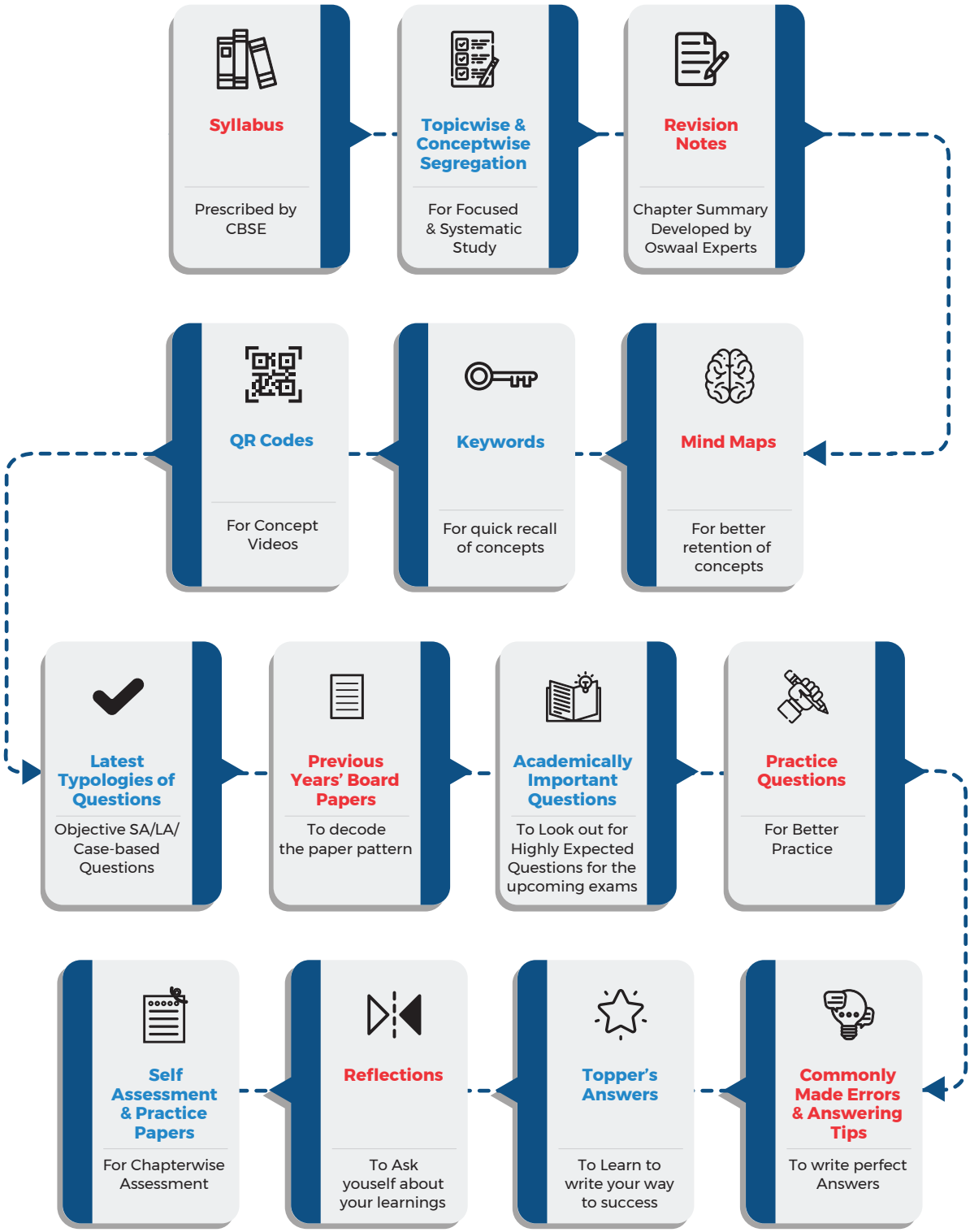

What is on your wishlist for this Academic Year?

- Do better than the previous year
- Perfect every concept, every topic, and every question from the very beginning

You said it, we heard it!

Practice means to perform, repeatedly in the face of all obstacles, some act of vision, of faith, of desire. Practice is a means of inviting the perfection desired.

-Martha Graham

As we usher into a brand-new Academic Year 2023-24, Oswaal Books, with its all-new Question Banks, empowers you to perfect your learning, consistently!

These Question Banks have been updated for 2023-24 with utmost care. They are a unique blend of all the **CBSE Board Updates, Previous Years' Questions,** and specially curated Questions as per the **Latest Typologies** along with best-in-class **Learning Resources**.

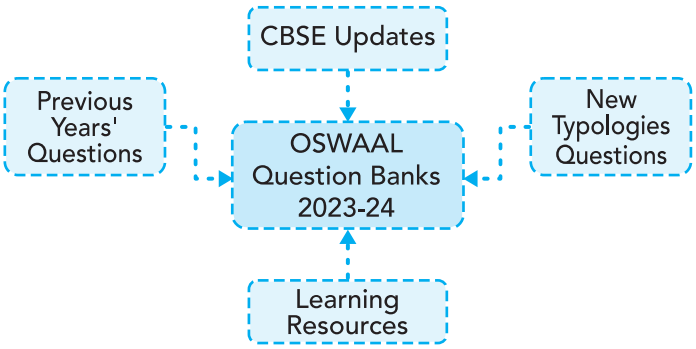

All these together will charge you with the much-needed confidence to face the boards and emerge champions. But what makes it so Unique?

1. **100% Updated** with Latest Syllabus & Fully Solved Board Papers
2. **Crisp Revision** with Topic wise Revision Notes & Smart Mind Maps
3. **Extensive Practice** with 3000+ Questions & Board Marking Scheme Answers
4. **Concept Clarity** with 1000+concepts & 50 + Concept Videos
5. **NEP 2020 Compliance** with Art Integration and Competency -Based Questions

For those who are looking to ramp up their preparation and to 'PERFECT' every nuance of concepts studied, these Question Banks are a must in your Boards arsenal. This is the perfect time to start your exciting journey with these Question Banks and fill in learning gaps, throughout the year with utmost ease & confidence.

This Question Bank would not have been made possible without the valuable contributions of the esteemed members of the Oswaal Editorial Board-Authors, Editors, Subject matter experts, Proofreaders & DTP operators who worked day and night to bring this incredible book to you. We are also highly grateful to our dear students for all their valuable and impeccable inputs in the making of this one-of-a-kind exam preparation tool.

All the best Students!! Be the perfectionist that you are!

Team Oswaal Books

पाठ्यक्रम

हिंदी–'अ'

कक्षा दसवीं (कोड संख्या 002)

नवीनतम पाठ्यक्रम

प्रश्न-पत्र **दो** खंडों : खंड – 'अ' और खंड – 'ब' में विभक्त होगा।
खंड – 'अ' में 49 वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के ही उत्तर देने होंगे।
खंड – 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में उचित आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।
भारांक– {80(वार्षिक बोर्ड परीक्षा)+20 (आंतरिक परीक्षा)

निर्धारित समय: 3 घंटे **भारांक: 80**

वार्षिक बोर्ड परीक्षा हेतु भार-विभाजन						
खंड – अ (बहुविकल्पी प्रश्न)						
विषय-वस्तु					**उप भार**	**कुल भार**
1.	**अपठित गद्यांश व काव्यांश पर चिंतन क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न।**					**10**
	(अ)	एक अपठित गद्यांश लगभग 250 शब्दों का (1×5=5) (विकल्प के बिना)			5	
	(ब)	एक अपठित काव्यांश लगभग 120 शब्दों का (1×5=5) विकल्प सहित			5	
2.	**व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर बहुविकल्पी प्रश्न। (1×16)** **(कुल 20 प्रश्न पूछे जाएँगे जिसमें से केवल 16 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।)**					**16**
	व्याकरण					
	1.	रचना के आधार पर वाक्य-भेद (4 अंक)		(5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
	2.	वाच्य (4 अंक)		(5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
	3.	पद-परिचय (4 अंक)		(5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
	4.	अलंकार : (शब्दालंकार : श्लेष) (अर्थालंकार : उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण) (4 अंक)		(5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
3.	**पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग-2**					
	(अ)	**गद्य खंड**			7	**14**
		1.	क्षितिज से निर्धारित पाठों में से गद्यांश के आधार पर विषय-वस्तु का ज्ञान-बोध, अभिव्यक्ति आदि पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1×5)		5	
		2.	क्षितिज से निर्धारित गद्य-पाठों के आधार पर विद्यार्थियों की उच्च चिंतन क्षमताओं एवं अभिव्यक्ति का आकलन करने हेतु एक अंकीय दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1×2)		2	
	(ब)	**काव्य खंड**			7	
		1.	क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से काव्यांश के आधार पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1×5)		5	
		2.	क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु एक अंकीय दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे (1×2)		2	

पाठ्यक्रम

			खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)		
			पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग-2 व पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग-2		
1.	**(अ)**	**गद्य खंड**			
		क्षितिज से निर्धारित पाठों में से विषय-वस्तु का ज्ञान-बोध, अभिव्यक्ति आदि पर तीन प्रश्न पूछे जाएँगे। (विकल्प सहित 25-30 शब्द-सीमा वाले 4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2×3)		6	
	(ब)	**काव्य खंड**			
		क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्य-बोध परखने हेतु तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। (विकल्प सहित 25-30 शब्द-सीमा वाले 4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2×3)		6	**20**
	(स)	**पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग-2**			
		कृतिका के निर्धारित पाठों पर आधारित दो प्रश्न पूछे जाएँगे। (विकल्प सहित 50-60 शब्द-सीमा वाले 3 में से 2 प्रश्न करने होंगे) (4×2)		8	
2.	**लेखन**				
	(अ)	विभिन्न विषयों और संदर्भों पर विद्यार्थियों के तर्कसंगत विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए संकेत बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर 120 शब्दों में से अनुच्छेद लेखन।		6	**20**
	(ब)	अभिव्यक्ति की क्षमता पर केंद्रित औपचारिक अथवा अनौपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में से पत्र।		5	
	(स)	उपलब्ध रिक्ति के लिए लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त लेखन अथवा विविध विषयों पर आधारित लगभग 80 शब्दों में औपचारिक ई-मेल लेखन		5	
	(द)	विषय से संबंधित लगभग 60 शब्दों के अंतर्गत विज्ञापन लेखन अथवा संदेश लेखन लगभग 60 शब्दों में (शुभकामना, पर्व-त्यौहारों एवं विशेष अवसरों पर दिए जाने वाले संदेश)		4	
			कुल		**80**
		आंतरिक मूल्यांकन		**अंक**	20
	(अ)	सामयिक आकलन		5	
	(ब)	बहुविध आकलन		5	
	(स)	पोर्टफोलियो		5	
	(द)	श्रवण एवं वाचन		5	
			कुल		**100**

पाठ्यक्रम

निर्धारित पुस्तकें :

1. **क्षितिज, भाग-2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण
2. **कृतिका, भाग-2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण

नोट— निम्नलिखित पाठों से प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे -

क्षितिज, (भाग - 2)	काव्य खंड	● देव-सवैया, कवित्त (पूरा पाठ) ● गिरिजाकुमार माथुर - छाया मत छूना (पूरा पाठ) ● ऋतुराज - कन्यादान (पूरा पाठ)
	गद्य खंड	● महावीरप्रसाद द्विवेदी - स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन (पूरा पाठ) ● सर्वेश्वर दयाल सक्सेना - मानवीय करुणा की दिव्य चमक (पूरा पाठ)
कृतिका, (भाग - 2)	● एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा! (पूरा पाठ) ● जार्ज पंचम की नाक (पूरा पाठ)	

कक्षा दसवीं हेतु प्रश्न-पत्र का विस्तृत प्रारूप जानने के लिए बोर्ड द्वारा जारी आदर्श प्रश्न-पत्र देखें।

❑❑

पठन कौशल

- सरसरी दृष्टि से पढ़कर पाठ का केंद्रीय विचार ग्रहण करना।
- एकाग्रचित हो एक अभीष्ट गति के साथ मौन पठन करना।
- पठित सामग्री पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करना।
- भाषा, विचार वएं शैली की सराहना करना।
- साहित्य के प्रति अभिरूचि का विकास करना।
- साहित्य की विभिन्न विधाओं की प्रकृति के अनुसार पठन कौशल का विकास।
- संदर्भ के अनुसार शब्दों के अर्थ-भेदों की पहचान करना।
- सक्रिय (व्यवहारोपयोगी) शब्द भंडार की वृद्धि करना।
- पठित सामग्री के विभिन्न अंशों का परस्पर संबंध समझना।
- पठित अनुच्छेदों के शीर्षक एवं उपशीर्षक देना।
- कविता के प्रमुख उपादान यथा - तुक, लय, यति, गति, बलाघात आदि से परिचित कराना।

लेखन कौशल

- लिपि के मान्य रूप का ही व्यवहार करना।
- विराम-चिह्नों का उपयुक्त प्रयोग करना।
- प्रभावपूर्ण भाषा तथा लेखन-शैली का स्वाभाविक रूप से प्रयोग करना।
- उपयुक्त अनुच्छेदों में बाँटकर लिखना।
- प्रार्थना पत्र, निमंत्रण पत्र, बधाई पत्र, संवेदना पत्र, ई-मेल, आदेश पत्र, एस.एम.एस. आदि लिखना और विविध प्रपत्रों को भरना।
- विविध स्रोतों से आवश्यक सामग्री एकत्र कर अभीष्ट विषय पर निबंध लिखना।
- देखी हुई घटनाओं का वर्णन करना और उन पर अपनी प्रतिक्रिया देना।

पाठ्यक्रम

- हिन्दी की एक विधा से दूसरी विधा में रूपांतरण का कौशल।
- समारोह और गोष्ठियों की सूचना और प्रतिवेदन तैयार करना।
- सार, संक्षेपीकरण एवं भावार्थ लिखना।
- गद्य एवं पद्य अवतरणों की व्याख्या लिखना।
- स्वानुभूत विचारों और भावनाओं को स्पष्ट सहज और प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त करना।
- क्रमबद्धता और प्रकरण की एकता बनाए रखना।
- लिखने में सृजनात्मकता लाना।
- अनावश्यक काट-छाँट से बचते हुए सुपाठ्य लेखन कार्य करना।
- दो भिन्न पाठों की पाठ्यवस्तु पर चिन्तन करके उनके मध्य की सम्बद्धता (अन्तर्संबन्धों) पर अपने विचार अभिव्यक्त करने में सक्षम होना।
- रटे-रटाए वाक्यों के स्थान पर अभिव्यक्तिपरक/स्थिति आधारित/उच्च चिन्तन क्षमता वाले प्रश्नों पर सहजता से अपने मौलिक विचार प्रकट करना।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

अनुच्छेद लेखन

- **पूर्णता** - संबंधित विषय के सभी पक्षों को अनुच्छेद के सीमित आकार में संयोजित करना।
- **क्रमबद्धता** - विचारों को क्रमबद्ध एवं तर्कसंगत विधि से प्रकट करना।
- **विषय-केन्द्रित** - प्रारंभ से अंत तक अनुच्छेद का एक सूत्र में बंधा होना।
- **समासिकता** - अनावश्यक विस्तार न देकर सीमित शब्दों में यथासंभव पूरी बात कहने का प्रयास करें।

पत्र लेखन

- अनौपचारिक पत्र विचार-विमर्श का जरिया जिनमें मैत्रीपूर्ण भावना निहित, सरलता, संक्षिप्त और सादगी के साथ लेखन शैली।
- औपचारिक पत्रों द्वारा दैनंदिनी जीवन की विभिन्न स्थितियों में कार्य, व्यापार, संवाद, परामर्श, अनुरोध तथा सुझाव के लिए प्रभावी एवं स्पष्ट संप्रेषण क्षमता का विकास।
- सरल और बोलचाल की भाषाशैली, उपयुक्त, सटीक शब्दों के प्रयोग, सीधे-सादे ढंग से स्पष्ट और प्रत्यक्ष बात की प्रस्तुति।
- प्रारूप की आवश्यक औपचारिकताओं के साथ सुस्पष्ट, सुलझे और क्रमबद्ध विचार आवश्यक तथ्य, संक्षेप और सम्पूर्णता के साथ प्रभावी प्रस्तुति।

विज्ञापन लेखन

विज्ञापित वस्तु / विषय को केंद्र में रखते हुए

- विज्ञापित वस्तु के विशिष्ट गुणों का उल्लेख
- आकर्षक लेखन शैली
- प्रस्तुति में नयापन, वर्तमान से जुड़ाव तथा दूसरों से भिन्नता
- विज्ञापन में आवश्यकतानुसार नारे (स्लोगन) का उपयोग
- विज्ञापन लेखन में बॉक्स, चित्र अथवा रंग का उपयोग अनिवार्य नहीं किन्तु समय होने पर प्रस्तुति को प्रभावी बनाने के लिए इनका उपयोग किया जा सकता है।

संवाद लेखन

(दी गई परिस्थितियों के आधार पर संवाद लेखन)

- सीमा के भीतर एक-दूसरे से जुड़े सार्थक और उद्देश्यपूर्ण संवाद
- पात्रों के अनुकूल भाषा शैली
- कोष्ठक में वक्ता के हाव-भाव का संकेत

- संवाद लेखन के अंत तक विषय/मुद्दे पर वार्ता पूरी

लघु-कथा लेखन

(दिए गए विषय/शीर्षक आदि के आधार पर रचनात्मक सोच के साथ लघुकथा लेखन)

- कथात्मता
- निरन्तरता, जिज्ञासा/रोचकता
- प्रभावी संवाद/पात्रानुकूल संवाद
- रचनात्मकता/कल्पनाशक्ति का उपयोग

संदेश-लेखन

(शुभकामना, पर्व-त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर दिए जाने वाले संदेश)

- विषय से संबद्धता
- संक्षिप्त और सारगर्भित
- भाषाई दक्षता एवं प्रस्तुति
- रचनात्मता/सृजनात्मकता
- विषय के अनुकूल काव्य-पंक्तियों का आंशिक उपयोग, किन्तु इसकी अनिवार्यता नहीं

ई-मेल लेखन

(विविध विषयों पर आधारित औपचारिक ई-मेल लेखन)

- बोधगम्य भाषा
- विषय से संबद्धता
- संक्षिप्त, स्पष्ट व सारगर्भित
- शिष्टाचार व औपचारिकताओं का निर्वाह

स्ववृत लेखन

(उपलब्ध रिक्ति के लिए स्ववृत लेखन)

- स्पष्ट, सम्पूर्ण व व्यवस्थित
- नाम, जन्मतिथि, वर्तमान पता, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, अभिरुचियों, आत्मकथ्य, दूरभाष आदि का उल्लेख (परीक्षा में गोपनीयता का निर्वाह अपेखित)
- अन्य विशेष जानकारी/योग्यता आदि

सूचना लेखन

(औपचारिक शैली में व्यावहारिक जीवन से सम्बन्धित विषयों पर आधारित सूचना लेखन)

- सरल एवं बोधगम्य भाषा
- विषय की स्पष्टता
- विषय से जुड़ी सम्पूर्ण जानकारी
- औपचारिक शिष्टाचार का निर्वाह

❑❑

NEP Derived Learning Resources Prescribed by CBSE for Year 2023-24

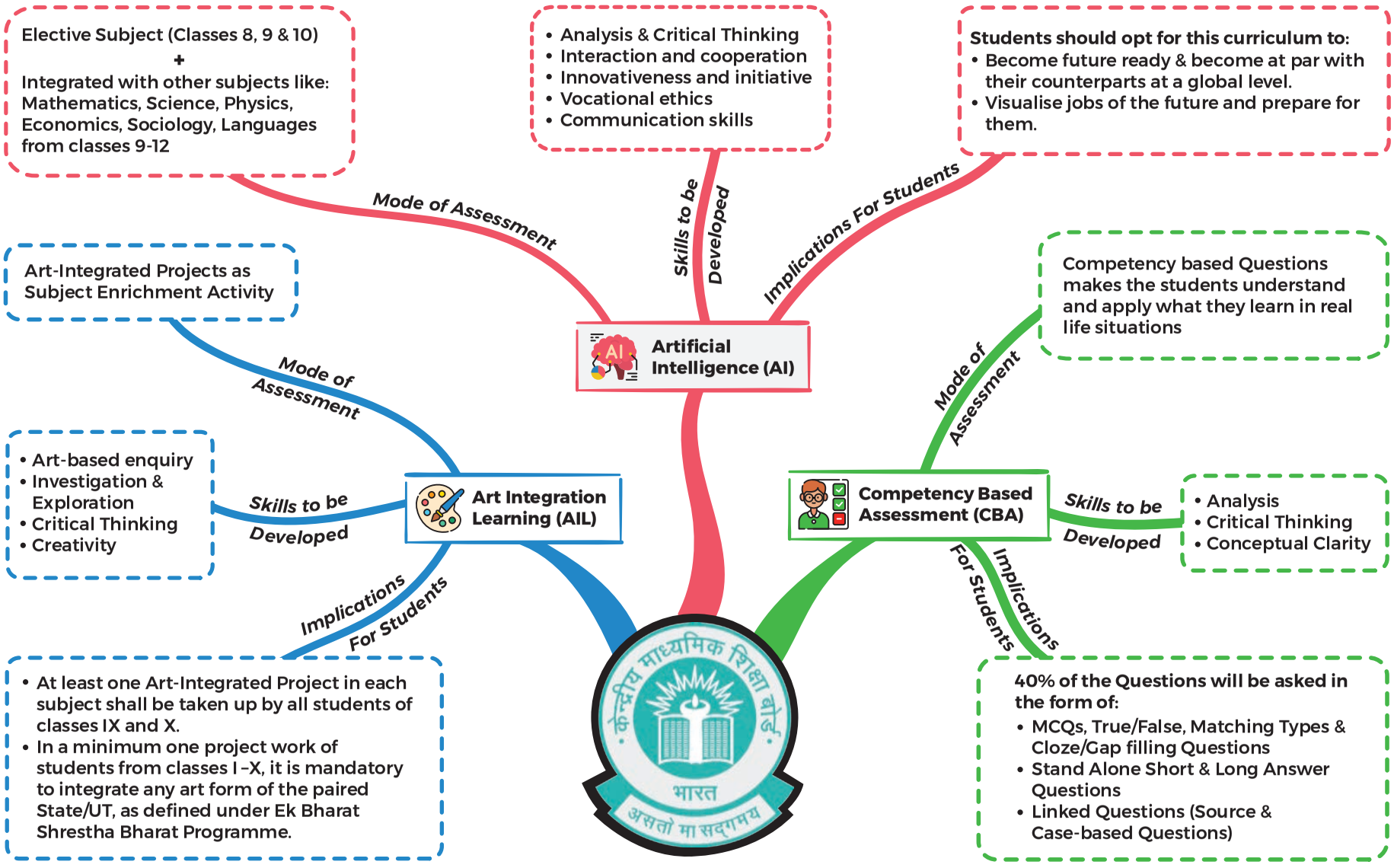

Hear it from our Happy Readers!

Looks Good!
This book is sooooo helpful! The amazing content and colors boost our interest. A must buy book!!

Rimjhim Pandey

Nice Book
Excellent book. All exam-oriented (2022-2023), Questions are given and deleted topics were excluded which ease our study

Vempati Satesh Kumar

Best quality and choice of questions are excellent!

Jadhav Balu

Very helpful Book for 2022-23 Board Exam. The main attraction of this book is the competency-based questions which are hard to find anywhere else.

Daksh B.

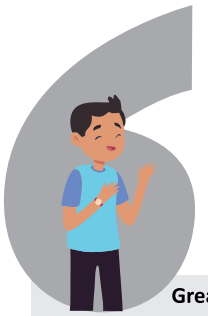

Great Book
This book is great. According to me, it has all necessary types of questions with the answers of toppers. Go for it!!

R Balaji Vignesh

Best Book for Maths
No need for tonnes of reference books, this one is enough for your maths board exam.It has past years' papers, mind maps and much more so what are you waiting for????

Rishabh Gupta

All concepts have been explained with examples which simplifies the understanding of the concept and makes practice very easy. It is worth the money.

Siddharth Gupta

This book made my students to achieve their goals without any obstacle
This book is really useful for students' exam preparation because the Oswaal team knows CBSE pattern as well as students' mindset of preparation. With my 10 years of teaching experience I have produced many centum in Mathematics, I made my students to work out all Oswaal problems, so they can easily achieve 100/100 . Thanks Oswaal team for your Great Work, Salute to you

Dinesh Y

अध्याय

3 पद–परिचय

पाठ्यक्रम *दिए गए रेखांकित पदों में से किन्हीं चार का पद-परिचय (विकल्प सहित)* **1×4=4 अंक**

उद्देश्य

- शब्द और पद की परिभाषा एवं अंतर स्पष्ट करना।
- प्रयोग के आधार पर शब्दों के दो भेदों—**1.** विकारी, **2.** अविकारी शब्दों की जानकारी देना।
- विकारी शब्दों अर्थात् संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के भेद के साथ-साथ लिंग, वचन, काल और विकारी शब्दों के व्याकरणिक परिचय संबंधी नियमों का विस्तृत ज्ञान देना।
- अविकारी शब्दों अर्थात् क्रिया विशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक, विस्मयादिबोधक और निपात आदि के भेद और व्याकरणिक परिचय संबंधी मुख्य बिन्दुओं की जानकारी देना।
- पद-परिचय संबंधी प्रश्नों का अभ्यास।

स्मरणीय बिंदु

सामान्य सुझाव

- विकारी पदों तथा अविकारी पदों के भेद, लिंग, कारक, वचन, पुरुष, काल, वाच्य आदि को ध्यानपूर्वक समझना चाहिए।
- सावधानीपूर्वक निर्देशित पदों का ही पद-परिचय दें।
- व्याकरणिक तथा वर्तनीगत अशुद्धियों पर अंक काटे जा सकते हैं, अतः त्रुटियों से बचने का प्रयास करें।
- पद-परिचय देते समय सही विकल्प का चुनाव करें।

पद—शब्द जब तक कोश में रहता है, शब्द कहलाता है परन्तु वाक्य में प्रयोग करने पर जब यह व्याकरणिक नियमों से आबद्ध हो जाता है, तब उसे पद कहते हैं।

Scan to know more about this topic

पद-परिचय

पद के भेद

- **विकारी पद**
  - संज्ञा
  - सर्वनाम
  - विशेषण
  - क्रिया
- **अविकारी पद (अव्यय)**
  - क्रिया विशेषण
  - सम्बन्धबोधक
  - विस्मयादिबोधक
  - समुच्चयबोधक
  - निपात

पद-परिचय

शब्द-भेद	भेद	परिचय	उदाहरण
विकारी			
(क) संज्ञा	1. व्यक्तिवाचक 2. जातिवाचक 3. भाववाचक	वचन, लिंग, कारक, भेद, क्रिया से सम्बन्ध	1. सुभाष पढ़ता है। 2. वह घोड़ा चलाता है। 3. राम की उदारता विश्व प्रसिद्ध है।
(ख) सर्वनाम	1. पुरुषवाचक 2. निश्चयवाचक 3. प्रश्नवाचक 4. निजवाचक 5. अनिश्चयवाचक 6. संबंधवाचक	भेद, लिंग, वचन, क्रिया के साथ सम्बन्ध	1. मैं बाजार जाता हूँ। 2. मैं उन्हें बुलाने गया था। 3. वह क्या लिख रहा है? 4. मैं स्वयं पढ़ता हूँ। 5. छत पर कोई है। 6. जो जैसा करेगा वैसा भरेगा।
(ग) विशेषण	1. गुणवाचक 2. संख्यावाचक 3. परिमाणवाचक 4. सार्वनामिक	भेद, लिंग, वचन, विशेष्य	1. काला बंदर पेड़ पर लटक रहा है। 2. दो बच्चे आज नहीं आए। 3. तीन किलो चीनी खत्म हो गई। 4. यह घर तुम्हारा है।
(घ) क्रिया	1. सकर्मक 2. अकर्मक	भेद, लिंग, वचन, पुरुष, काल, वाच्य, कर्ता, कर्म का संकेत	1. मीरा पुस्तक पढ़ती है। 2. लड़कियाँ दौड़ रही हैं।
अविकारी			
(क) क्रिया विशेषण	1. स्थानवाचक 2. कालवाचक 3. परिमाणवाचक 4. रीतिवाचक	भेद, क्रिया का संकेत	1. मोहन छत पर बैठा है। 2. वह कल जाएगा। 3. तुम कम खाते हो। 4. आकांक्षा धीरे-धीरे चलती है।
(ख) समुच्चय बोधक		भेद, उनका सम्बन्ध	1. साधना बीमार थी इसलिए विद्यालय नहीं आई।
(ग) सम्बन्ध बोधक			2. भावना के बदले सुमन दिल्ली चली गई।
(घ) विस्मयादिबोधक			3. वाह! क्या दृश्य है।
(ङ) निपात			4. सुरेश ने ही मुझे मारा था।

► वाक्यों में आने वाले पदों का व्याकरणिक दृष्टि से परिचय देना पद-परिचय कहलाता है।

पद का नाम	परिचय देने के लिए आवश्यक बातें
1. विकारी	
(i) संज्ञा	संज्ञा के भेद (व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक), वचन (एकवचन, बहुवचन), लिंग (पुल्लिंग, स्त्रीलिंग) कारक (कर्ता, कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, सम्बन्ध, अधिकरण, सम्बोधन) क्रिया के साथ सम्बन्ध।
(ii) सर्वनाम	सर्वनाम के भेद (पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक, निजवाचक, सम्बन्धवाचक), पुरुष (उत्तम, मध्यम, अन्य), लिंग, वचन, क्रिया के साथ सम्बन्ध।
(iii) विशेषण	विशेषण के भेद (गुणवाचक, परिमाणवाचक, संख्यावाचक, सार्वनामिक), लिंग, वचन, विशेष्य।
(iv) क्रिया	क्रिया के भेद (अकर्मक, सकर्मक), लिंग, वचन, पुरुष, काल (भूत, वर्तमान, भविष्यत्), वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य) कर्ता, कर्म का संकेत।
2. अविकारी	
अव्यय	क्रिया विशेषण के भेद (कालवाचक, स्थानवाचक, रीतिवाचक, परिमाणवाचक) जिस क्रिया की विशेषता बता रहा हो उसका संकेत, समुच्चयबोधक, सम्बन्धबोधक, विस्मयादिबोधक, निपात, उनका सम्बन्ध।

उदाहरणार्थ—

1. **संज्ञा पद-परिचय**

   राधा कक्षा में बैठी है।

   राधा—संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'बैठी है' क्रिया की कर्ता।

   कक्षा—संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक, 'बैठी है' क्रिया से सम्बद्ध।

2. **सर्वनाम पद-परिचय**

   मैं खाना खाकर पढ़ूँगा।

   मैं—सर्वनाम, उत्तम पुरुष वाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'पढ़ूँगा', क्रिया का कर्ता।

3. **विशेषण पद-परिचय**

   नीली चुनरी धूप में सूख रही थी।

   नीली—विशेषण, गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'चुनरी' संज्ञा की विशेषता बता रहा है।

4. **क्रिया पद-परिचय**

   लड़कियाँ बातें **कर रही हैं।**

   कर रही हैं—क्रिया, अकर्मक क्रिया, वर्तमान काल, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य, लड़कियाँ कर्ता की क्रिया।

5. **क्रिया-विशेषण पद-परिचय**

   आकांक्षा **धीरे-धीरे** चल रही थी।

   धीरे-धीरे—क्रिया विशेषण, रीतिवाचक, 'चल रही' क्रिया की रीति की विशेषता।

6. **सम्बन्धबोधक पद-परिचय**—भावना **के बदले** सुमन दिल्ली चली गई।

   के बदले—सम्बन्धबोधक, विनिमय वाचक, भावना और सुमन में सम्बन्ध सूचक।

7. **समुच्चयबोधक पद-परिचय**—साधना बीमार थी **इसलिए** विद्यालय नहीं आई।

   इसलिए—समुच्चयबोधक, परिणामदर्शक समानाधिकरण, साधना बीमार थी और विद्यालय नहीं आई उपवाक्यों को जोड़ने का कार्य, परिणाम स्पष्ट करना।

8. **विस्मयादिबोधक पद-परिचय—**

   वाह ! क्या दृश्य है।

   वाह—विस्मयादिबोधक, प्रसन्नतासूचक, दृश्य का प्रशंसा सूचक पद।

बहुविकल्पीय प्रश्न (प्रत्येक 1 अंक)

निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद परिचय दीजिए—
(प्रत्येक 1 अंक)

1. **'<u>सूरदास</u> ने सूरसागर की रचना की।'**
   (क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।
   (ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।
   (ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।
   (घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

   [सी.बी.एस.ई. SQP 2020-21]

   उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

   व्याख्या—सूरदास व्यक्ति विशेष का नाम होने से व्यक्तिवाचक संज्ञा है, कर्ता के साथ 'ने' विभक्ति होने से कर्ता कारक है, अतः विकल्प **(ग)** सही है।

2. **'वह <u>नित्य</u> घूमने जाता है।'**
   (क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता।

(ख) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता।

(ग) अव्यय, स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता।

(घ) अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता। [सी.बी.एस.ई. SQP 2020-21]

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—'नित्य' अव्यय (क्रिया विशेषण) है जो 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता बता रहा है। क्रिया के काल की सूचना देने के कारण कालवाचक क्रिया विशेषण है।

3. **'तालाब में कमल खिलते हैं।'**

(क) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य।

(ख) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य।

(ग) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य।

(घ) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य।

[सी.बी.एस.ई. SQP 2020-21]

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—कर्म न होने के कारण विकल्प **(क)** व **(ग)** सही नहीं हो सकता। 'खिलते हैं।' अर्थात् बहुवचन होने से विकल्प **(घ)** सही नहीं है, अत: विकल्प **(ख)** सही है।

4. **'रंग-बिरंगे फूल देखकर मन प्रसन्न हो गया।'—रेखांकित पद का परिचय है—**

(क) संख्यावाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'फूल विशेष्य का विशेषण'।

(ख) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'फूल विशेष्य का विशेषण'।

(ग) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'फूल विशेष्य का विशेषण'।

(घ) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'फूल विशेष्य का विशेषण'। AI [सी.बी.एस.ई. SQP 2020-21]

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—फूल के गुणों के बारे में बताने से गुणवाचक विशेषण हैं, अत: विकल्प **(क)** सही नहीं हैं। 'रंग-बिरंगे' में बहुवचन होने व 'फूल' के पुल्लिंग होने से विकल्प **(ख)** सही है।

5. **'प्रधानाचार्य ने आपको बुलाया है।'—**

(क) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक।

(ख) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक।

(ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक।

(घ) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक। [सी.बी.एस.ई. SQP 2020-21]

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—रेखांकित शब्द 'आपको' सर्वनाम है पुरुषवाचक है। उत्तम पुरुष में मैं, हम, मुझे होते हैं जबकि तुम, तुम्हारा, आप, आपको माध्यम पुरुष में होते हैं। वाक्य में 'आप के साथ 'को' विभक्ति होने से कर्म कारक है।

6. **'आजकल प्रदूषण तेज़ी से फैल रहा है।'**

(क) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

(ख) संज्ञा, भाववाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक।

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, एकवचन, पुल्लिंग।

(घ) विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, पुल्लिंग।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set-I 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—'प्रदूषण' संज्ञा शब्द है लेकिन भाववाचक। क्रिया 'फैल रहा है' का कर्ता प्रदूषण होने से कर्ताकारक है, अत: विकल्प **(ख)** सही है।

7. **'वक्त काटने के लिए खीरे खरीदे होंगे।'**

(क) क्रिया (सकर्मक), पुल्लिंग, बहुवचन, भूतकाल, खीरा कर्म।

(ख) क्रिया (अकर्मक), पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल, खीरा कर्म।

(ग) क्रिया (प्रेरणार्थक), पुल्लिंग, बहुवचन, भूतकाल, खीरा कर्म।

(घ) क्रिया (सकर्मक), पुल्लिंग, एकवचन, वर्तमान काल खीरा कर्म।

AI [सी.बी.एस.ई. Delhi Set-I 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—'खरीदे होंगे' क्रिया का कर्म (खीरे) होने से सकर्मक क्रिया है अत: विकल्प **(ख)** व **(ग)** सही नहीं है। 'खरीदे' में बहुवचन होने से तथा क्रिया का काल भूतकाल होने से विकल्प **(क)** सही है।

8. **'नवाब साहब थककर लेट गए।'**

(क) क्रिया विशेषण, गुणवाचक, 'लेट गए' क्रिया की विशेषता।

(ख) विशेषण, सार्वनामिक, 'नवाब साहब' संज्ञा की विशेषता।

(ग) क्रिया विशेषण, रीतिवाचक, 'लेट गए' क्रिया की विशेषता।

(घ) विशेषण, रीतिवाचक, 'लेट गए' क्रिया की विशेषता।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set-I 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—वाक्य में क्रिया 'लेट गए' की विशेषता बताने के कारण रेखांकित में क्रिया विशेषण है, अत: विकल्प **(ख)** व **(घ)** सही नहीं है। गुणवाचक क्रिया विशेषण का भेद नहीं है अत: विकल्प **(क)** भी सही नहीं है। 'थककर' द्वारा क्रिया की रीति बताने से रीतिवाचक विशेषण है।

9. **'यह उपहार उसे ही देना।'**

(क) संज्ञा, पुरुषवाचक, मध्यमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set-I 2020 संशोधित]

ये प्रश्न अभ्यास हेतु हैं और इनके उत्तर अध्याय के अंत में दिये गये हैं।

10. 'सफ़ेद घोड़ा तेज़ भागता है।'

(क) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'घोड़ा' विशेष्य।

(ख) विशेषण, रीतिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'घोड़ा' विशेष्य।

(ग) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'घोड़ा' विशेष्य।

(घ) क्रियाविशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'घोड़ा' विशेष्य।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set-II 2020 संशोधित]

11. 'खीरा लज़ीज़ होता है।'

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक, 'होता है' क्रिया का कर्ता।

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक, 'होता है' क्रिया का कर्ता।

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक, 'होता है' क्रिया का कर्ता।

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक, 'होता है' क्रिया का कर्ता।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set-II 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—'खीरा' वस्तु होने से संज्ञा शब्द है लेकिन नाम न होने से जातिवाचक संज्ञा है, अत: विकल्प **(क)** व **(ख)** सही नहीं है। 'होता है' क्रिया का कर्ता होने से कर्ता कारक है अत: विकल्प **(ग)** सही है।

12. 'यह भाषा किस क्षेत्र में बोली जाती है?'

(क) विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, पुल्लिंग, 'भाषा' विशेष्य।

(ख) विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'भाषा' विशेष्य।

(ग) सर्वनाम, संकेतवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'भाषा' विशेष्य।

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, 'भाषा' विशेष्य।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set-II 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

13. 'वह हमेशा सच बोलता है।'

(क) अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'बोलता है' क्रिया की अवधि बता रहा है।

(ख) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'बोलता है' क्रिया की अवधि बता रहा है।

(ग) क्रियाविशेषण, सार्वनामिक, 'बोलता है' क्रिया की अवधि बता रहा है।

(घ) विशेषण, कालवाचक, 'बोलता है' 'सच' की विशेषता बता रहा है।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set-II 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

14. 'बाग में कुछ महिलाएँ बैठी थीं।'

(क) क्रिया, अकर्मक एकवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल।

(ख) क्रिया, सकर्मक, एकवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल।

(ग) क्रिया, अकर्मक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल।

(घ) क्रिया, सकर्मक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set-III 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—रेखांकित पद 'बैठी थीं' क्रिया है लेकिन कर्म न होने के कारण विकल्प **(ख)** व **(घ)** सही नहीं है। क्रिया में बहुवचन है अत: केवल विकल्प **(ग)** सही है।

15. 'एक शर्त रखी कि मैं भारत जाऊँगा।'

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक।

(ख) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक।

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set-III 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—रेखांकित पद 'भारत' स्थान का नाम होने से व्यक्तिवाचक संज्ञा है। यहाँ कर्ता कारक 'मैं' है और 'भारत' में कर्मकारक होने से विकल्प **(क)** सही है।

16. 'नहीं जानता, बस मन में यह था।'

(क) विशेषण, रीतिवाचक, 'जानता' विशेष्य, कर्मवाच्य, भूतकाल।

(ख) अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'जानता' क्रिया की विशेषता।

(ग) विशेषण, गुणवाचक, 'जानता' विशेष्य, कर्तावाच्य, भूतकाल।

(घ) अव्यय, क्रियाविशेषण, गुणवाचक, 'जानता' क्रिया की विशेषता।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set-III 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—रेखांकित पद 'नहीं' में लिंग, वचन, काल आदि के अनुसार परिवर्तन नहीं आता, अत: वह अव्यय है। क्रिया 'जानता' की विशेषता बताने के कारण क्रिया विशेषण है। 'जानता' की रीति बताने से रीति वाचक क्रियाविशेषण है।

17. 'प्रात: काल घूमने जाया करो ताकि स्वास्थ्य ठीक रहे।'

(क) संबंधबोधक अव्यय। **(ख)** समुच्चयबोधक अव्यय।

(ग) विस्मयादिबोधक अव्यय। **(घ)** निपात।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set III 2020 संशोधित]

ये प्रश्न अभ्यास हेतु हैं और इनके उत्तर अध्याय के अंत में दिये गये हैं।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—रेखांकित पद 'ताकि' दो वाक्यों को जोड़ने हेतु योजक चिह्न के रूप में प्रयुक्त हो रहा है अत: विकल्प **(ख)** सही है।

18. 'वीरों की सदा जीत होती है।'

(क) विशेषण, कालवाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'जीत' विशेष्य।

(ख) विशेषण, कालवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'जीत' विशेष्य।

(ग) विशेषण, कालवाचक, एकवचन, पुल्लिग, 'जीत' विशेष्य।

(घ) क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'जीत होती है' क्रिया का विशेष्य।

[सी.बी.एस.ई. Outside Delhi Set I 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

19. 'बच्चे की मुस्कान मनमोहक होती है।'

(क) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्मकारक।

(ख) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

(ग) संज्ञा, भाववाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

(घ) संज्ञा, भाववाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्मकारक।

[सी.बी.एस.ई. Outside Delhi Set I 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

20. 'प्रत्येक का अपना महत्त्व होता है।'

(क) विशेषण, सार्वनामिक, पुल्लिग, एकवचन, 'महत्त्व' विशेष्य।

(ख) सर्वनाम, निजवाचक, पुल्लिग, बहुवचन, 'होता है' क्रिया।

(ग) विशेषण, सार्वनामिक, पुल्लिग, बहुवचन, 'महत्त्व' विशेष्य।

(घ) विशेषण, सार्वनामिक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'महत्त्व' विशेष्य।

AI [सी.बी.एस.ई. Outside Delhi Set I 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

21. 'पिताजी कल ही तीर्थ यात्रा पर गए।'

(क) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, भूतकाल, पुल्लिग, कर्तृवाच्य।

(ख) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, भूतकाल, पुल्लिग, कर्तृवाच्य।

(ग) अकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिग, भूतकाल, कर्तृवाच्य।

(घ) सकर्मक क्रिया, एकवचन, भूतकाल, पुल्लिग, कर्मवाच्य।

[सी.बी.एस.ई. Outside Delhi Set I 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—रेखांकित पद 'गए' क्रियापद है। कर्म न होने से क्रिया अकर्मक है। कर्ता 'एकवचन' व पुल्लिग होने से विकल्प **(ग)** सही है।

22. 'आशिमा दसवीं कक्षा में पढ़ती है।'

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक, 'पढ़ती है' क्रिया का कर्ता।

(ख) विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'पढ़ती है' क्रिया का कर्ता।

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'पढ़ती है' क्रिया का कर्ता।

(घ) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'पढ़ती है' क्रिया का कर्ता।

[सी.बी.एस.ई. Outside Delhi Set II 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—रेखांकित पद 'आशिमा' व्यक्ति विशेष का नाम होने से व्यक्तिवाचक संज्ञा है। 'पढ़ती है' क्रिया का कर्ता है अत: कर्ताकारक है।

23. 'वाह! तुमने अच्छा काम किया।'

(क) समुच्चयबोधक, प्रशंसा सूचक।

(ख) विस्मयादिबोधक, हर्षसूचक।

(ग) संबंधबोधक, हर्षसूचक।

(घ) निपात, प्रशंसा सूचक।

AI [सी.बी.एस.ई. Outside Delhi Set II 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

24. 'शिक्षक के साथ एक शिष्य भी आता है।'

(क) विशेषण, परिणामवाचक, पुल्लिग, एकवचन, 'शिष्य' विशेष्य।

(ख) विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिग, बहुवचन, 'शिष्य' विशेष्य।

(ग) विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिग, एकवचन, 'शिष्य' विशेष्य।

(घ) विशेषण, परिणामवाचक, पुल्लिग, बहुवचन, 'शिष्य' विशेष्य।

[सी.बी.एस.ई. Outside Delhi Set II 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—रेखांकित पद 'एक' शिष्य (संज्ञा) की विशेषता बता रहा है अत: विशेषण है। शिष्य गणनीय होने से संख्यावाचक विशेषण है। 'एक' में एकवचन है।

25. 'तुम किस कक्षा में पढ़ते हो?'

(क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यमपुरुष, पुल्लिग, एकवचन, कर्ताकारक।

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, पुल्लिग, एकवचन, कर्ताकारक।

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, पुल्लिग, एकवचन, कर्मकारक।

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यमपुरुष, स्त्रीलिंग, कर्ताकारक।

[सी.बी.एस.ई. Outside Delhi Set II 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—रेखांकित पद 'तुम' पुरुषवाचक सर्वनाम है। वक्ता में उत्तमपुरुष होता है। जबकि यहाँ 'तुम' श्रोता है अत: यहाँ मध्यम पुरुष है। 'पढ़ते हो' क्रिया से ज्ञात होता है कि श्रोता पुल्लिग है, अत: विकल्प **(क)** सही है।

26. 'मेदा भी मेरा कमज़ोर है।' रेखांकित पद का परिचय है—

(क) विशेषण, रीतिवाचक, एकवचन, पुल्लिग, विशेष्य 'मेदा'।

(ख) विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, पुल्लिग, विशेष्य 'मेदा'।

(ग) विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, पुल्लिग, विशेष्य 'मेदा'।

(घ) विशेषण, गुणवाचक, बहुवचन, पुल्लिग, विशेष्य 'मेदा'।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—रेखांकित पद 'मेरा' पुरुषवाचक सर्वनाम, वक्ता होने के कारण 'उत्तम पुरुष', 'मेरा' से पुल्लिग और एकवचन का बोध होता है।

27. 'आज भी भारत में अनेक अभिमन्यु हैं।' रेखांकित पद का परिचय है—

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ताकारक।

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्मकारक।

(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।

(घ) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set II 2020 संशोधित,

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—यहाँ 'अभिमन्यु' व्यक्तिवाचक के रूप में प्रयोग न होकर भारत में 'अभिमन्यु' के समान सभी वीर बालकों के समूह (जाति) के लिए प्रयुक्त हुआ है अत: यह संज्ञा का जातिवाचक भेद है। अभिमन्यु नाम के कारण यह पुल्लिग है।

28. 'अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु याद आ रही है।' रेखांकित पद का परिचय है—

(क) विशेषण, रीतिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'पत्नी' विशेष्य।

(ख) विशेषण, सार्वनामिक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'पत्नी' विशेष्य।

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, एकवचन, पुल्लिग, अधिकरण कारक।

(घ) सर्वनाम, निजवाचक, एकवचन, पुल्लिग, अधिकरण कारक।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

29. चलते-चलते लड़खड़ाने पर सहयोगी उसे सँभालते हैं।

(क) क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'लड़खड़ाना' क्रिया का विशेषण।

(ख) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'लड़खड़ाना' क्रिया का विशेषण।

(ग) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'सँभालना' क्रिया का विशेषण।

(घ) क्रियाविशेषण, गुणवाचक, 'सँभालना' क्रिया का विशेषण।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—यह पद 'लड़खड़ाना' क्रिया की रीति संबंधी विशेषता प्रकट कर रहा है।

30. 'अनुराग ने काला कोट पहना है।' रेखांकित पद का परिचय है—

(क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, 'कोट' विशेष्य।

(ख) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, नपुसंकलिंग, 'कोट' विशेष्य।

(ग) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, 'अनुराग' विशेष्य।

(घ) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, नपुसंकलिंग, 'कोट' विशेष्य।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—यहाँ 'काला' पद 'कोट' संज्ञा के गुण (रंग) संबंधी विशेषता प्रकट करने के कारण 'गुणवाचक विशेषण' है। 'काला' से उसके 'पुल्लिग' और 'एकवचन' होने का बोधे हो रहा है। 'काला पद' 'कोट' संज्ञा का विशेषण है, अत: इसका 'विशेष्य' 'कोट' है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

(निर्धारित विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिन्दु/संरचना आदि पर)

(प्रत्येक 4 अंक)

1. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए— **[1 × 4 = 4]**

(i) 'पानवाला नया पान खा रहा था।' रेखांकित पद का परिचय है— **1**

(क) विशेषण, गुणवाचक, नपुसंकलिंग, एकवचन, 'पान' विशेष्य।

(ख) विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'पान' विशेष्य।

(ग) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिग, एकवचन, 'पान' विशेष्य।

(घ) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिग, बहुवचन, 'पान' विशेष्य।

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

(ii) 'यह साइकिल मेरे बड़े भाई की है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) विशेषण, सार्वनामिक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'साइकिल' विशेष्य।

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, एकवचन, 'है' क्रिया का कर्ता।

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, नपुंसकलिंग, 'है' क्रिया का कर्ता।

(घ) विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, नपुंसकलिंग, 'साइकिल' विशेष्य।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

(iii) 'माँ की याद आती है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन संबंधकारक।

(ख) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंधकारक।

(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्मकारक।

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(iv) 'मधुर गाने तो सदा ही सुनने को मिलते।' रेखांकित पद का परिचय है—

(क) क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'मिलते' क्रिया का विशेषण।

(ख) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'मिलते' क्रिया का विशेषण।

(ग) विशेषण, कालवाचक, 'सुनना', विशेष्य।

(घ) विशेषण, रीतिवाचक, 'सुनना' विशेष्य।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

(v) 'सूर्योदय हुआ और पक्षी चहचहाने लगे। 1

(क) सम्बन्धबोधक अव्यय।

(ख) समुच्चयबोधक अव्यय।

(ग) विस्मयबोधक अव्यय।

(घ) निपात।

[सी.बी.एस.ई. Outside Delhi Set III 2020 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

2. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए— [1 × 4 = 4]

(i) 'दादीजी प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ती हैं।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, बहुवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य।

(ख) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य।

(ग) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल, कर्मवाच्य।

(घ) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भविष्य काल, भाववाच्य।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(ii) 'रोहन यहाँ नहीं आया था।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, 'आया था' क्रिया की विशेषता।

(ख) कालवाचक क्रिया विशेषण, 'आया था' क्रिया की विशेषता।

(ग) परिमाणवाचक क्रिया विशेषण, 'आया था' विशेष्य।

(घ) स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'आया था' क्रिया की विशेषता।

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

(iii) 'वे मुंबई जा चुके हैं।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, एकवचन, कर्मकारक।

(ख) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, बहुवचन, कर्ताकारक।

(ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, एकवचन, करणकारक।

(घ) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, एकवचन, कर्मकारक।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(iv) 'परिश्रमी अंकिता अपना काम समय से पूरा कर लेती है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) परिमाणवाचक, विशेषण, विशेष्य – अंकिता, स्त्रीलिंग बहुवचन।

(ख) संख्यावाचक, विशेषण, विशेष्य – अंकिता, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(ग) सार्वनामिक, विशेषण, विशेष्य – अंकिता, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(घ) गुणवाचक, विशेषण, विशेष्य – अंकिता, स्त्रीलिंग, एकवचन।

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

(v) 'रवि रोज़ सवेरे दौड़ता है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ताकारक।

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ताकारक।

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, पुल्लिग, एकवचन कर्मकारक।

(घ) सर्वनाम, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set I, II, III 2019 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

3. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए— [1 × 4 = 4]

(i) 'सुरभि विद्यालय से अभी-अभी आई है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, अपादान कारक, एकवचन, पुल्लिंग।

(ख) भाववाचक संज्ञा, संबंध कारक, एकवचन, पुल्लिंग।

(ग) जातिवाचक संज्ञा, अपादान कारक, एकवचन, पुल्लिंग।

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, करण कारक, एकवचन, पुल्लिंग।

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

(ii) 'उसने मेरी बातें ध्यानपूर्वक सुनीं।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, 'सुनना' क्रिया की विशेषता।

(ख) स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'सुनना' क्रिया की विशेषता।

(ग) कालवाचक क्रिया विशेषण, 'सुनना' विशेष्य।

(घ) परिमाण क्रिया विशेषण, 'सुनना' क्रिया की विशेषता।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

(iii) 'शाबाश! तुमने बहुत अच्छा काम किया।' रेखांकित पद का परिचय है— AI 1

(क) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

(ख) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक

(ग) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक।

(घ) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ताकारक।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(iv) 'वहाँ दस छात्र बैठे हैं।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'छात्र' विशेष्य का विशेषण।

(ख) स्थानवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'छात्र' विशेष्य का विशेषण।

(ग) कालवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'छात्र' विशेष्य का विशेषण।

(घ) रीतिवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'छात्र' विशेष्य का विशेषण।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

(v) 'परिश्रम के बिना सफलता नहीं मिलती।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) अव्यय, निपात, 'सफलता' के साथ संबंध।

(ख) क्रियाविशेषण, निषेधवाचक, 'परिश्रम' के साथ संबंध।

(ग) समुच्चयबोधक, अव्यय, 'परिश्रम' के साथ संबंध।

(घ) संबंधबोधक, अव्यय, 'परिश्रम' के साथ संबंध।

[सी.बी.एस.ई. Outside Delhi Set I, II, III 2019 संशोधित,

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

4. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए— [1 × 4 = 4]

(i) 'अपने गाँव की मिट्टी छूने के लिए मैं तरस गया।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिग, एकवचन, संबंध कारक।

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिग, द्विवचन, संबंध कारक।

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिग, एकवचन, संबंध कारक।

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, द्विवचन, संबंध कारक।

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

(ii) 'अपने गाँव की मिट्टी छूने के लिए मैं तरस गया।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिग, एकवचन, संबंध कारक।

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, द्विवचन, कर्मकारक।

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, द्विवचन, संबंधकारक।

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक।

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

(iii) 'अपने गाँव की मिट्टी छूने के लिए मैं तरस गया।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिग, एकवचन, कर्ताकारक।

(ख) सर्वनाम, उत्तमपुरुष, पुरुष, पुल्लिग, एकवचन, कर्ताकारक।

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(iv) 'अपने गाँव की मिट्टी छूने के लिए मैं तरस गया।' रेखांकित पद का परिचय है—

(क) क्रिया, अकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल।

(ख) क्रिया, सकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल।

(ग) क्रिया, अकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल।

(घ) क्रिया, सकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

(v) 'अपने गाँव की मिट्टी छूने के लिए मैं तरस गया।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) क्रिया, अकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल।

(ख) क्रिया, सकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल।

(ग) क्रिया, अकर्मक, पुल्लिंग, द्विवचन, भूतकाल।

(घ) क्रिया, सकर्मक, पुल्लिंग, द्विवचन, भूतकाल।

[सी.बी.एस.ई. Delhi & Outside Delhi 2018 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

5. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए— [1 × 4 = 4]

(i) 'सुभाष पालेकर ने प्राकृतिक खेती की ज़ानकारी अपनी पुस्तकों में दी हैं।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक, 'दी है' क्रिया का कर्ता।

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, द्विवचन, कर्ताकारक, 'दी है' क्रिया का कर्ता।

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक, 'दी है' क्रिया का कर्ता।

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, द्विवचन, कर्ताकारक, 'दी है' क्रिया का कर्ता।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

(ii) 'सुभाष पालेकर ने प्राकृतिक खेती की जानकारी अपनी पुस्तकों में दी है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, 'खेती' विशेष्य।

(ख) विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'खेती' विशेष्य।

(ग) विशेषण, रीतिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, 'खेती' विशेष्य।

(घ) विशेषण, रीतिवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'खेती' विशेष्य।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(iii) 'सुभाष पालेकर ने प्राकृतिक खेती की जानकारी अपनी पुस्तकों में दी है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक, 'दी है' क्रिया से संबंधित।

(ख) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक, 'दी है' क्रिया से संबंधित।

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक, 'दी है' क्रिया से संबंधित।

(घ) संज्ञा, भाववाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक, 'दी है' क्रिया से संबंधित।

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

(iv) 'सुभाष पालेकर ने प्राकृतिक खेती की जानकारी अपनी पुस्तकों में दी है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) क्रिया, सकर्मक, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य।

(ख) क्रिया, सकर्मक, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य।

(ग) क्रिया, अकर्मक, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य।

(घ) क्रिया, अकर्मक, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

(v) 'सुभाष पालेकर ने प्राकृतिक खेती की जानकारी अपनी पुस्तकों में दी है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, द्विवचन, स्त्रीलिंग, कर्मकारक।

(ख) संज्ञा, जातिवाचक, द्विवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्मकारक।

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्मकारक।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set-I 2017 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

6. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए— [1 × 4 = 4]

(i) 'हिंदुस्तान वह सब कुछ है जो आपने समझ रखा है, लेकिन वह इससे भी बहुत ज़्यादा है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता, 'है' क्रिया का कर्ता।

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता, 'ज़्यादा है' क्रिया का कर्ता।

(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता, 'है' क्रिया का कर्ता।

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता, 'ज़्यादा है' क्रिया का कर्ता।

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

(ii) 'हिंदुस्तान वह सब कुछ है जो आपने समझ रखा है, लेकिन वह भी इससे भी बहुत ज़्यादा हैं।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, एकवचन/बहुवचन, कर्ताकारक, 'समझ रखा है' क्रिया से संबंधित, पुल्लिंग /स्त्रीलिंग।

(ख) सर्वनाम, अनिश्चयवाचक, एकवचन/बहुवचन, कर्ताकारक, 'समझ रखा है' क्रिया से संबंधित, पुल्लिंग /स्त्रीलिंग।

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, एकवचन/बहुवचन, कर्मकारक, पुल्लिंग /स्त्रीलिंग।

(घ) सर्वनाम, निजवाचक, एकवचन/बहुवचन, कर्मकारक, पुल्लिंग /स्त्रीलिंग।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

(iii) 'हिन्दुस्तान वह सब कुछ है जो आपने समझ रखा है, लेकिन वह भी इससे भी बहुत ज़्यादा है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) अव्यय, संबंधबोधक।

(ख) अव्यय, समुच्चयबोधक।

(ग) अव्यय, विस्मयबोधक।

(घ) अव्यय, निपात।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(iv) 'हिन्दुस्तान वह सब कुछ है जो आपने समझ रखा है, लेकिन वह भी इससे भी बहुत ज़्यादा हैं।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) सर्वनाम, निश्चयवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक, 'है' क्रिया का कर्ता।

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ताकारक, 'है' क्रिया का कर्ता।

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक, 'है' क्रिया का कर्ता।

(घ) सर्वनाम, निश्चयवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ताकारक, 'रखा है' क्रिया का कर्ता।

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

(v) 'हिन्दुस्तान वह सब कुछ है जो आपने समझ रखा है, लेकिन वह भी इससे भी बहुत ज़्यादा है।' रेखांकित पद का परिचयहै— 1

(क) अव्यय, क्रिया विशेषण, परिमाणवाचक, 'है' क्रिया से संबंधित।

(ख) अव्यय, समुच्चय बोधक, परिमाणवाचक।

(ग) विशेषण, परिमाणवाचक, 'ज़्यादा' विशेष्य, बहुवचन, पुल्लिंग।

(घ) विशेषण, संख्यावाचक, 'ज़्यादा' विशेष्य, बहुवचन, पुल्लिंग।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set-II 2017 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

7. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए— [1 × 4 = 4]

(i) 'मनुष्य केवल भोजन करने के लिए जीवित नहीं रहता है, बल्कि वह अपने भीतर की सूक्ष्म इच्छाओं की तृप्ति भी चाहता है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक

(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ताकारक

(घ) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्मकारक

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

(ii) 'मनुष्य केवल भोजन करने के लिए जीवित नहीं रहता है, बल्कि वह अपने भीतर की सूक्ष्म इच्छाओं की तृप्ति भी चाहता है। 'रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक

(ख) सर्वनाम, अनिश्चयवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

(iii) 'मनुष्य केवल भोजन करने के लिए जीवित नहीं रहता है, बल्कि वह अपने भीतर की सूक्ष्म इच्छाओं की तृप्ति भी चाहता है।'
रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) विशेषण, रीतिवाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य—'इच्छाओं'

(ख) विशेषण, गुणवाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य—'इच्छाओं'

(ग) विशेषण, रीतिवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य—'इच्छाओं'

(घ) विशेषण, रीतिवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग, विशेष्य—'इच्छाओं'

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(iv) 'मनुष्य केवल भोजन करने के लिए जीवित नहीं रहता है, बल्कि वह अपने भीतर की सूक्ष्म इच्छाओं की तृप्ति भी चाहता है।'
रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) क्रिया, सकर्मक, एकवचन, पुल्लिग, भूतकाल
(ख) क्रिया, अकर्मक, एकवचन, पुल्लिग, भूतकाल
(ग) क्रिया, अकर्मक, एकवचन, पुल्लिग, वर्तमान काल
(घ) क्रिया, सकर्मक, एकवचन, पुल्लिग, वर्तमान काल

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

(v) 'मोहन दसवीं कक्षा में बैठा है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) विशेषण, परिमाणवाचक, निश्चित, स्त्रीलिंग, एकवचन
(ख) विशेषण, परिमाणवाचक, अनिश्चित, स्त्रीलिंग, एकवचन
(ग) विशेषण, संख्यावाचक, निश्चित, स्त्रीलिंग, एकवचन
(घ) विशेषण, संख्यावाचक, अनिश्चित, स्त्रीलिंग, एकवचन

[सी.बी.एस.ई. Outside Delhi Set-I 2017 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

8. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए— [1 × 4 = 4]

(i) 'सुरेश' यदि मैं बीमार हो जाऊँ तो घर की व्यवस्था रुक जाएगी।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिग, एकवचन, कर्ताकारक।
(ख) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिग, एकवचन, कर्ताकारक।
(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिग, एकवचन, संबोधन कारक।
(घ) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिग, एकवचन, संबोधन कारक।

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

(ii) 'सुरेश' यदि मैं बीमार हो जाऊँ तो घर की व्यवस्था रुक जाएगी।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, पुल्लिग/स्त्रीलिंग, एकवचन, 'हो जाऊँ' क्रिया का कर्ता।
(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यमपुरुष, पुल्लिग/स्त्रीलिंग, एकवचन, 'हो जाऊँ' क्रिया का कर्ता।
(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुष, पुल्लिग/स्त्रीलिंग, बहुवचन।
(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, पुल्लिग/स्त्रीलिंग, बहुवचन, 'रुक जाएगी' क्रिया का कर्ता।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

(iii) 'सुरेश, यदि मैं बीमार हो जाऊँ तो घर की व्यवस्था रुक जाएगी।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, नपुसंकलिंग, संबंधकारक।
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग, संबंधकारक।
(ग) जातिवाचक संज्ञा, द्विवचन, नपुसंकलिंग, संबंधकारक।
(घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग, संबंधकारक।

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

(iv) 'सुरेश, यदि मैं बीमार हो जाऊँ तो घर की व्यवस्था रुक जाएगी।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) क्रिया, अकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, भविष्यकाल, कर्तृवाच्य।
(ख) क्रिया, अकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य।
(ग) क्रिया, अकर्मक, पुल्लिग, एकवचन, भविष्यकाल, कर्तृवाच्य।
(घ) क्रिया, अकर्मक, स्त्रीलिंग, द्विवचन, भविष्यकाल, कर्तृवाच्य।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

(v) 'हम-तुम तो इतना भी नहीं जानते कि कुटुंब का पालन कैसे किया जाता है।' रेखांकित पद का परिचय है—1

(क) अव्यय, संबंधबोधक।
(ख) अव्यय, निपात।
(ग) अव्यय, समुच्चयबोधक।
(घ) अव्यय, विस्मयादिबोधक।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set-I 2016 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

9. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए— [1 × 4 = 4]

(i) 'कब्रिस्तान की भूमि को लेकर छोटे-मोटे तनाव होते हैं। एक ऐसे ही अवसर पर मुझे पंचायत में शामिल होना पड़ा।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिग, एकवचन, संबंधकारक।
(ख) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिग, एकवचन, संबंधकारक।
(ग) संज्ञा, वस्तुवाचक, पुल्लिग, एकवचन, संबंधकारक।
(घ) संज्ञा, द्रव्यवाचक, पुल्लिग, एकवचन, संबंधकारक।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(ii) 'कब्रिस्तान की भूमि को लेकर छोटे-मोटे तनाव होते हैं। एक ऐसे ही अवसर पर मुझे पंचायत में शामिल होना पड़ा।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, 'तनाव' विशेष्य का विशेषण।

(ख) विशेषण, सार्वनामिक, पुल्लिंग, बहुवचन, 'तनाव' विशेष्य का विशेषण।

(ग) विशेषण, रीतिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, 'तनाव' विशेष्य का विशेषण।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

(iii) 'कब्रिस्तान की भूमि को लेकर छोटे-मोटे तनाव होते हैं। एक ऐसे ही अवसर पर मुझे पंचायत में शामिल होना पड़ा।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, एकवचन, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, कर्म कारक, 'शामिल होना पड़ा' क्रिया का कर्ता।

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, एकवचन, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, कर्ता कारक, 'शामिल होना पड़ा' क्रिया का कर्ता।

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, एकवचन, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, कर्म कारक, 'होते हैं' क्रिया का कर्ता।

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, एकवचन, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, कर्ता कारक, 'होते हैं' क्रिया का कर्ता।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(iv) 'कब्रिस्तान की भूमि को लेकर छोटे-मोटे तनाव होते हैं। एक ऐसे ही अवसर पर मुझे पंचायत में शामिल होना पड़ा।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) क्रिया, सकर्मक, वर्तमान काल, एकवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य।

(ख) क्रिया, सकर्मक, वर्तमान काल, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य।

(ग) क्रिया, सकर्मक, वर्तमान काल, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्तृवाच्य।

(घ) क्रिया, सकर्मक, भूतकाल, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्तृवाच्य।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(v) 'हर्षिता निबंध लिख रही है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) क्रिया, सकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य।

(ख) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, द्विवचन, वर्तमान काल, कर्मवाच्य।

(ग) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, बहुवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य।

(घ) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, बहुवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य।

[सी.बी.एस.ई. Outside Delhi Set-I 2016, संशोधित]

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

10. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए— **[1 × 4 = 4]**

(i) 'आजकल हमारा देश प्रगति के मार्ग पर बढ़ रहा है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) क्रिया विशेषण, कालवाचक, 'बढ़ रहा है' क्रिया का विशेषण।

(ख) क्रिया विशेषण, स्थानवाचक, 'बढ़ रहा है' क्रिया का विशेषण।

(ग) क्रिया विशेषण, रीतिवाचक, 'बढ़ रहा है' क्रिया का विशेषण।

(घ) क्रिया विशेषण, परिमाणवाचक, 'बढ़ रहा है' क्रिया का विशेषण।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

(ii) 'आजकल हमारा देश प्रगति के मार्ग पर बढ़ रहा है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, 'देश' विशेष्य।

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

(ग) विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, पुल्लिंग,'देश' विशेष्य।

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(iii) 'आजकल हमारा देश प्रगति के मार्ग पर बढ़ रहा है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक।

(ख) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक।

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक।

(घ) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(iv) 'आजकल हमारा देश प्रगति के मार्ग पर बढ़ रहा है।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) क्रिया, अकर्मक, एकवचन, भूतकाल, 'बढ़' धातु, कर्तृवाच्य।

(ख) क्रिया, अकर्मक, एकवचन, वर्तमान काल, 'बढ़' धातु, कर्तृवाच्य।

(ग) क्रिया, सकर्मक, द्विवचन, वर्तमान काल, 'बढ़' धातु, कर्तृवाच्य।

(घ) क्रिया, सकर्मक, एकवचन, भूतकाल, 'बढ़' धातु, कर्तृवाच्य।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(v) 'आजकल संस्थाओं द्वारा जनहित के अनेक कार्य किए जा रहे हैं।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) संज्ञा, जातिवाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ताकारक।

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ताकारक।

(ग) संज्ञा, प्राणीवाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ताकारक।

(घ) संज्ञा, वस्तुवाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ताकारक।

[सी.बी.एस.ई. Delhi Set-I 2015 संशोधित]

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

11. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए— [1 × 4 = 4]

(i) 'बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जब उनका बेटा मरा।'
रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक।

(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(ii) 'बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जब उनका बेटा मरा।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) विशेषण, सार्वनामिक, 'दिन' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग।

(ख) सर्वनाम, निश्चयवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।

(घ) विशेषण, रीतिवाचक, 'दिन' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग।

उत्तर—विकल्प (क) सही है।

(iii) 'बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जब उनका बेटा मरा।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'मरा' क्रिया का विशेषण।

(ख) अव्यय, क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'मरा' क्रिया का विशेषण।

(ग) अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'मरा' क्रिया का विशेषण।

(घ) अव्यय, क्रियाविशेषण, सार्वनामिक, 'मरा' क्रिया का विशेषण।

उत्तर—विकल्प (ग) सही है।

(iv) 'बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जब उनका बेटा मरा।' रेखांकित पद का परिचय है— 1

(क) क्रिया, अकर्मक, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य, पुल्लिग, एकवचन, 'मर' धातु।

(ख) क्रिया, अकर्मक, भूतकाल, कर्तृवाच्य, पुल्लिग, एकवचन, 'मर' धातु।

(ग) क्रिया, सकर्मक, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य, पुल्लिग, एकवचन, 'मर' धातु।

(घ) क्रिया, सकर्मक, भूतकाल, कर्तृवाच्य, पुल्लिग, एकवचन, 'मर' धातु।

उत्तर—विकल्प (ख) सही है।

(v) 'बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में धान रोप रहे हैं।'
रेखांकित पद का परिचय है—1

(क) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिग, एकवचन, संबंध कारक।

(ख) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, अपादान कारक।

(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिग, एकवचन, अधिकरण कारक।

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिग, एकवचन, अधिकरण कारक।

[सी.बी.एस.ई. Outside Delhi Set-I 2015 संशोधित,

उत्तर—विकल्प (घ) सही है।

सामान्य त्रुटियाँ

- पद-परिचय प्रश्न-पत्र का महत्त्वपूर्ण भाग है, किंतु व्याकरणिक कोटियों की जानकारी के अभाव में अधिकांश छात्र, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण के प्रति अनभिज्ञ प्रतीत होते हैं।
- छात्र पद-परिचय का विकल्प चुनते समय लिंग, वचन, कारक का परिचय देने में असावधानी बरतते हैं।

निवारण

- छात्रों को सभी व्याकरणिक कोटियों का पर्याप्त ज्ञान अर्जित करना चाहिए।
- कक्षा में नियमित रूप से पद-परिचय का अभ्यास करना चाहिए।

अभ्यास प्रश्नों के उत्तर

बहुविकल्पीय प्रश्न

उत्तर—9. विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—रेखांकित शब्द सर्वनाम है, अत: विकल्प **(क)** व **(ग)** सही नहीं है क्योंकि संज्ञा व्यक्ति, वस्तु, स्थान के नाम व भाव को कहते हैं। किसी अन्य के बारे में बात होने, अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम होने से विकल्प **(घ)** सही है।

उत्तर—10. विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—घोड़ा (संज्ञा) की विशेषता बताने के कारण रेखांकित (सफ़ेद) में विशेषण है, अत: विकल्प **(ग)** व **(घ)** सही नहीं है। रेखांकित शब्द 'घोड़ा' का गुण बता रहा है, अत: गुणवाचक विशेषण होने से विकल्प **(ख)** सही नहीं है।

स्मृति-अनुप्रयोग

- वर्णों का सार्थक समूह **'शब्द'** कहलाता है। वर्ण स्वतंत्र इकाई है किन्तु जब यही शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तो वह व्याकरणिक नियमों में बँध जाता है और **'पद'** कहलाता है।

  पदों का व्याकरणिक परिचय ही **'पद-परिचय'** कहलाता है।

- पद-परिचय देते समय हम वाक्य में प्रयुक्त शब्दों (पदों) के भेद, लिंग, वचन, कारक, काल आदि का परिचय देते हैं। **पद-परिचय देते समय हमें निम्नलिखित बातों का उल्लेख करना चाहिए—**

पद नाम	परिचय
संज्ञा	संज्ञा के भेद, लिंग, वचन, कारक, क्रिया से संबंध
सर्वनाम	सर्वनाम के भेद, पुरुष, लिंग, वचन, कारक, क्रिया से संबंध।
विशेषण	विशेषण के भेद, लिंग, वचन, विशेष्य।
क्रिया	क्रिया के भेद, लिंग, वचन, काल, वाच्य, कर्ता, कर्म के साथ संबंध।
अव्यय (अविकारी शब्द)	अव्यय का भेद (क्रिया-विशेषण, समुच्चयबोधक, संबंधबोधक, विस्मयादिबोधक) और उससे संबंधित क्रिया का उल्लेख

❑❑